सरकार जल्द लाएगी टिकाऊ ईंधन नीति

नागर विमानन मंत्री नायडू बोले–एसएएफ से घटेगा तेल आयात, बढ़ेगी किसानों की आमदनी और हरित रोज़गार

नयी दिल्ली,06 नवंबर. नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार बहुत जल्द ही टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) पर एक नीति लेकर आएगी. इससे कच्चे तेल के आयात को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और अधिक हरित रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी.

राष्ट्रीय राजधानी में एक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसएएफ (टिकाऊ विमानन ईंधन) को अपनाने के लिए अधिक नवाचार, निवेश एवं सामूहिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है.

नायडू ने कहा कि सरकार बहुत जल्द एक एसएएफ नीति लेकर आएगी.मंत्री ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अलावा, एसएएफ किसानों की आय में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि करके उन्हें सशक्त बना सकता है .नायडू ने कहा कि एसएएफ उत्पादन हमारे कच्चे तेल के आयात खर्च को हर साल पांच से सात अरब अमेरिकी डॉलर तक कम करने के साथ-साथ एसएएफ मूल्य श्रृंखला में 10 लाख से अधिक हरित रोजगार सृजित करने में भी मदद कर सकता है .

भारत का लक्ष्य 2027 तक विमान ईंधन में एसएएफ का एक प्रतिशत, 2028 तक दो प्रतिशत तथा 2030 तक पांच प्रतिशत मिश्रण करना है. एसएएफ का उपयोग विमानन टरबाइन ईंधन में 'ड्रॉप-इन' ईंधन के रूप में किया जा सकता है जो विमानों को शक्ति प्रदान करता है. मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियों के अलावा निजी कंपनियों को भी एसएएफ उत्पादन में शामिल होना चाहिए.वैश्विक स्तर पर 2040 तक एसएएफ की आवश्यकता 18.3 करोड़ टन होने का अनुमान है. नायडू ने कहा, ''कच्चे माल से लेकर ईंधन तक, किसानों से लेकर विमान चालकों तक तथा तलने से लेकर उड़ान भरने तक ज्वास्तव में किसने सोचा होगा कि समोसे तलने वाले भी इस पूरे वैश्विक विमानन आंदोलन (एसएएफ पर) में हिस्सा ले सकते हैं.भारत में 75 करोड़ टन से अधिक 'बायोमास' उपलब्ध है और लगभग 21.3 करोड़ टन अधिशेष कृषि अवशेष है.

वैश्विक एसएएफ वर्तमान में बहुत कम है.मंत्री ने कहा कि देश अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर एसएएफ का उत्पादन कर सकता है.

सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दूसरे दिन गिरावट

मुंबई 06 नवंबर. भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार, 6 नवंबर को बिकवाली का दबाव गहराया. सेंसेक्स और निफ्टी 50 लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए. मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में भारी गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में लगभग 4 लाख करोड़ का नुकसान हुआ. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 148 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 83,311 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स 88 अंक या 0.34 प्रतिशत टूटकर 25,509.70 पर आ गया. वहीं, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई. वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और घरेलू आर्थिक आंकड़ों में सुस्ती ने बाजार पर दबाव बनाया.

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता जल्द

गोयल ने कहा– समझौते से किसानों और छोटे व्यवसायों को बड़ा लाभ

सात महीनों में पाँच दौर की बातचीत, अप्रत्याशित गति से आगे बढ़ी प्रक्रिया

नई दिल्ली. भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूती देते हुए, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की है कि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं. गोयल ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले के गहन चर्चा के बाद यह बात कही.

न्यूजीलैंड में एक सामुदायिक स्वागत समारोह में भाग लेने के बाद, गोयल ने एएनआई से खास बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि हम जल्द ही न्यूजीलैंड के साथ एक एफटीए हासिल कर सकते हैं.'

किसानों, मछुआरों और छोटे व्यवसायों को लाभ

गोयल ने इस समझौते को 'महत्वपूर्ण' बताते हुए कहा कि यह दोनों देशों के किसानों, मछुआरों और छोटे व्यवसायियों के लिए लाभकारी होगा. इससे दोनों देशों में निवेश, व्यापार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, रक्षा, अंतरिक्ष, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने जोर दिया कि भारत और न्यूजीलैंड एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते, बल्कि वैश्विक व्यापार का विस्तार करने के लिए मिलकर काम करते हैं.

उन्होंने अपनी इस यात्रा को 'बहुत उपयोगी' बताया और कहा कि मार्च में शुरू हुई वार्ताओं में 'सम्मान और समायोजन की भावना' ने मार्गदर्शन किया है.

गोयल ने बताया कि बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और अब केवल कुछ ही बारीकियों पर ध्यान देने की जरूरत है. उन्होंने कहा, 'हमारी टीमों ने शानदार काम किया है. समायोजन की भावना से बहुत सी बातें समाप्त हो चुकी हैं.' उन्होंने स्पष्ट किया कि यह समझौता व्यापार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और कृषि के क्षेत्रों में एक लंबी साझेदारी का शुरुआती बिंदु होगा.

प्राकृतिक रंगों व पारंपरिक तरीकों से बढ़ा सर्कुलर इकोनॉमी

नई दिल्ली, 06 नवंबर. एशिया-प्रशांत क्षेत्र की पारंपरिक कलाएं - जैसे सिंध की अजरख छपाई, बंगाल की जामदानी बुनाई, जापान की आइजोमे इंडिगो डाई तकनीक या फिलीपींस की बांस बुनाई - केवल कला नहीं, बल्कि सतत विकास और पर्यावरणीय संतुलन की सशक्त मिसाल हैं. ये शिल्प न केवल सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखते हैं, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, कुटीर उद्योग और हस्तशिल्प क्षेत्र एसडीजी 8 (सम्मानजनक कार्य और आर्थिक वृद्धि) में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं. उदाहरण के तौर पर, इंडोनेशिया की 'टेनुन इकत' बुनाई सहकारी समितियां ग्रामीण कारीगरों को स्थायी रोजगार दे रही हैं. भारत में भी इसी मॉडल को अपनाकर शिल्प समूहों को माइक्रोफाइनेंस और टैक्स रियायत देकर सशक्त बनाया जा सकता है. एसडीजी 12 के तहत पारंपरिक कारीगरों द्वारा प्राकृतिक रंगों और पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों का उपयोग सर्कुलर इकोनॉमी को प्रोत्साहित करता है.

सनफार्मा को दूसरी तिमाही में 3,118 करोड़ रुपये का मुनाफा

मुंबई, 06 नवंबर. दवा बनाने वाली अग्रणी कंपनी सनफार्मा को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समग्र आधार पर 3,118 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर 2.6 प्रतिशत की वृद्धि है. कंपनी के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की गयी.

इसमें बताया गया है कि 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही कंपनी की कुल बिक्री 8.6 प्रतिशत बढ़कर 14,405 करोड़ रुपये पर और कुल राजस्व 9.55 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,948 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. सनफार्मा के प्रबंध निदेशक कीर्ति गानोर्कर ने कहा, भारत, उभरते बाजारों और शेष दुनिया ने तिमाही में वृद्धि को गति दी.

गूगल मैप्स में आया जेमिनी एआई

अब नेविगेशन होगा और स्मार्ट - जेमिनी देगा दिशा, जानकारी और यात्रा का इंटरएक्टिव अनुभव

नई दिल्ली, 06 नवंबर. गूगल ने अपने प्रमुख ऐप 'गूगल मैप्स' में जेमिनी एआई को एकीकृत कर दिया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को अब और अधिक स्मार्ट व स्वाभाविक नेविगेशन का अनुभव मिलेगा. कंपनी के अनुसार, यह अपडेट ऐसे है जैसे आपके साथ कार में एक जानकार साथी बैठा हो, जो रास्ते में आपकी मदद करता रहे.

नए अपडेट के साथ, गूगल मैप्स में अब जेमिनी एआई वॉयस असिस्टेंट के रूप में गूगल असिस्टेंट की जगह लेगा. एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर स्क्रीन के दाहिनी ओर जेमिनी का आइकन दिखेगा. उपयोगकर्ता Hey Google कहकर या आइकन टैप कर जेमिनी को सक्रिय कर सकेंगे. उपयोगकर्ता जेमिनी से रूट पर मौजूद रेस्टोरेंट, पार्किंग, ईवी चार्जर या लोकप्रिय व्यंजन जैसी जानकारी पूछ सकेंगे. एंड्रॉयड पर उपयोगकर्ता अन्य ऐप्स से कनेक्ट होकर कैलेंडर ईवेंट बना सकेंगे, ईमेल का सारांश देख सकेंगे और श्रृङ्ग साझा कर सकेंगे- वह भी मैप्स से बाहर गए बिना.

लैंडमार्क आधारित नेविगेशन

गूगल ने मैप्स में लैंडमार्क-बेस्ड नेविगेशन की सुविधा भी जोड़ी है. अब ऐप केवल '200 मीटर आगे मुड़ें' कहने के बजाय 'पेट्रोल पंप के बाद दाएं मुड़ें' या 'संग्रहालय से पहले बाएं मुड़ें' जैसी निर्देश देगा. यह फीचर फिलहाल अमेरिका में शुरू किया गया है और जल्द अन्य देशों में भी उपलब्ध होगा.

ट्रैफिक और वॉयस रिपोर्टिंग फीचर- नया अपडेट ड्राइवरों को रीयल-टाइम ट्रैफिक रिपोर्ट देने की सुविधा भी देता है. चालक 'आगे दुर्घटना है' या 'सड़क पर पानी भरा है' जैसे वाक्य कहकर ट्रैफिक डेटा साझा कर सकते हैं.

एनबीसीसी लिमिटेड ऑस्ट्रेलिया में परियोजनाएं करने के लिए तैयार

गोल्डफील्ड्स ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

कैनबरा, 06 नवंबर. एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने ऑस्ट्रेलिया में रियल एस्टेट, अवसंरचना और पुनर्विकास परियोजनाओं पर सहयोग करने के लिए मेलबर्न स्थित एक अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर गोल्डफील्ड्स ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं.

समझौता ज्ञापन पर प्रदीप शर्मा, कार्यपालक निदेशक (व्यापार प्रसार), एनबीसीसी और श्री डॉ. हर्षवर्धन, प्रबंध निदेशक, मेडअचीवर्स प्राइवेट लिमिटेड (गोल्डफील्ड्स ऑस्ट्रेलिया के अनन्य एवं आधिकारिक भागीदार) ने हस्ताक्षर किए. श्री के.पी. महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी; श्री मार्को गैटिनो, प्रबंध निदेशक, गोल्डफील्ड्स ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड; डॉ. सुमन कुमार, निदेशक (वाणिज्य) और श्री अंजीव कुमार जैन, निदेशक (वित्त) की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए.

यह समझौता ज्ञापन दोनों संगठनों के बीच पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों और संरचनाओं के आधार पर परियोजनाओं की पहचान, विकास और निष्पादन के लिए साझेदारी की रूपरेखा स्थापित करता है.

इस सहयोग का उद्देश्य मेलबर्न, ब्रिस्बेन और पर्थ सहित प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई शहरों में आवासीय अपार्टमेंट, बिल्ड-टू-रेंट परियोजनाएं, मास्टर-प्लान्ड समुदाय, आतिथ्य, वाणिज्यिक कार्यालय टावर और मिश्रित उपयोग वाले परिसर विकसित करने में गोल्डफील्ड्स के व्यापक अनुभव के साथ निर्माण, इंजीनियरी और परियोजना प्रबंधन में एनबीसीसी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता को जोड़ना है. इस समझौते के तहत, एनबीसीसी भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों में विनियामक दिशानिर्देशों के अनुपालन में ऑस्ट्रेलिया में एक शाखा कार्यालय खोलने की प्रक्रिया शुरू करेगा.

पावर ग्रिड का प्रतियोगिता आयोजन

नागपुर, 06 नवबंर. केंद्रीय सतर्कता आयोग के मार्गदर्शन में महारत्न कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड केक्षेत्रीय मुख्यालय, प. क्षे.-1,नागपुर में सतर्कता-हमारी साझा जिम्मेदारी/थीम के साथ अवधि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025 मनाया गया.

इसी तारतम्य में तक सतर्कता-हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल,कोराडी रोड, नागपुर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया . प्रतियोगिता के उपरांत विजयी प्रतिभागियों को पावर ग्रिड अधिकारियो द्वारा प्रथम ,द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया. इस कार्यक्रम के दौरान सतर्कता विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए पैम्फलेट वितरित किए गए औरएक सेल्फी पाइंट भी स्थापित किया गया था.

एसबीआई फंड्स का आयेगा आईपीओ

मुंबई, 06 नवंबर. भारतीय स्टेट बैंक की इकाई एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम अगले साल आयेगा. एसबीआई ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि वह एसबीआईएफएमएल में अपनी लगभग 6.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी. इसके अलावा दूसरी प्रवर्तक कंपनी अमुंडी इंडिया होल्डिंग अपने 1,88,30,000 शेयर (लगभग 3.7 प्रतिशत) शेयर बेचेगी. इस प्रकार कुल मिलाकर ओएफएस के लिए 5,08,90,000 (करीब 10 प्रतिशत) शेयर उपलब्ध होंगे.

जियो का आएगा रिकॉर्ड तोड़ आईपीओ

नई दिल्ली, 06 नवंबर. जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की वैल्यूएशन 170 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है. निवेश बैंकरों का मानना है कि कंपनी का संभावित मूल्यांकन इसे भारत की सबसे बड़ी दो या तीन कंपनियों में शामिल कर सकता है.

यह आंकड़ा भारती एयरटेल जैसी कंपनियों से भी कहीं अधिक है. एयरटेल का मौजूदा वैल्यूएशन लगभग 12.7 लाख करोड़ रुपये है. जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड का आईपीओ, 2006 के बाद रिलायंस से जुड़ी किसी बड़ी यूनिट का पहला सार्वजनिक आईपीओ होगा. बताते चलें कि 2006 में रिलायंस पेट्रोलियम की लिस्टिंग हुई थी. ब्लूमबर्ग के मुताबिक, निवेश बैंकरों ने जियो के लिए 130 अरब डॉलर से लेकर 170 अरब डॉलर तक का वैल्यूएशन प्रस्तावित किया है. जिसपर चर्चाएं फिलहाल चल रही हैं और अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है.

समाचार विशेष

जब टकरा गए लालू के दोनों लाल

तेजस्वी-तेज की 'मौन मुलाकात' का इमोशनल वीडियो हुआ वायरल

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर एक ऐसा नजारा जो जमकर वायरल हो रहा है. आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव अचानक एक ही समय पर एयरपोर्ट पर आमने-सामने आ गए. हैरानी की बात यह रही कि दोनों ने एक-दूसरे का अभिवादन नहीं किया और न ही एक-दूसरे से बात की.

यह मुलाकात पूरी तरह से खामोश रही और इसे एक यूट्यूबर ने तेज प्रताप यादव का इंटरव्यू लेते हुए कैद कर लिया. जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप बिहार चुनाव प्रचार में जुटे हैं और मंगलवार को अपने हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने आए थे. इंटरव्यू के दौरान वह एयरपोर्ट के ड्यूटी-फ्री एरिया में एक दुकान पर कुछ खरीदने के लिए रुके.

'क्या शॉपिंग करवा रहे हैं भइया?'-उसी समय महा गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर एक चुनावी रैली के लिए निकल रहे तेजस्वी यादव भी एयरपोर्ट पर पहुच गए. यूट्यूबर को देखकर तेजस्वी मुस्कुराए और मज़ाक में पूछा, क्या शॉपिंग करवा रहे हैं भइया? जिस पर यूट्यूबर ने जवाब दिया, वह मुझे उपहार दे रहे हैं. तेजस्वी हंसे और बोले, आप बहुत भाग्यशाली है. इस पूरी घटना के दौरान तेज प्रताप आगे तो आए लेकिन चुप रहे. उन्होंने न तो कोई प्रतिक्रिया दी और न ही अपने छोटे भाई से बात की.

मतभेद के बीच मौन मुलाकात

तेजस्वी-तेज की यह मौन मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब लालू परिवार के दोनों बेटों के बीच वैचारिक और राजनैतिक मतभेद स्पष्ट हो गए हैं. तेज प्रताप यादव अब अपनी नई पार्टी जनशक्ति जनता दल के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि तेजस्वी यादव राजद की ओर से महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं. तेज प्रताप यादव वैशाली जिले की महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, वही सीट जहां से वे 2015 में विधायक बने थे. हालाकि, 2020 में उन्हें समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से मैदान में उतारा गया, जिससे उनके समर्थकों में असंतोष फैल गया था. महुआ लौटने की उनकी घोषणा से पार्टी में खलबली मच गई, जिससे राजद और तेज प्रताप के बीच रिश्ते और बिगड़ गए.

धनबल और जनबल की लड़ाई

वसुंधरा राजे का कर्जा चुकाने का वादा

जयपुर. अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजस्थान की राजनीति पूरी तरह गर्म हो चुकी है. पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे बारां पहुंचीं और उन्होंने इस चुनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. वसुंधरा राजे ने अंता उपचुनाव को धनबल और जनबल के बीच की सीधी लड़ाई बताया है.

उन्होंने साफ कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि जीत हमेशा जनबल (जनता की ताकत) की होती है. उन्होंने यकीन जताते हुए कहा कि जनता इस बार भी धनबल के ऊपर प्रभाव डालते हुए हमारे लोकल उम्मीदवार मोरपाल सुमन को जिताने का काम करेगी.

पूर्व सीएम ने बताया कि अंता के लोगों की लंबे समय से स्थानीय प्रत्याशी की मांग थी. लोगों की बात मानते हुए ही बीजेपी ने मोरपाल सुमन को टिकट दिया है, जो पूरी तरह से लोकल हैं. राजे ने अंता के मतदाताओं से अपील की कि मोरपाल उनका घर का व्यक्ति है और उसे सपोर्ट करने में कोई कमी न रखें. उन्होंने कहा कि मोरपाल की जीत से अंता की जनता को तीन प्रतिनिधि मिलेंगे—खुद मोरपाल, सांसद दुष्यंत (उनके बेटे) और वह स्वयं. राजे ने जोर देकर कहा कि स्थानीय प्रत्याशी को टिकट देने से लोगों का जो विश्वास मिला है, वह उनके लिए एक कर्जा है. यह कर्जा उन्हें चुकाना ही पड़ेगा. वसुंधरा राजे ने दावा किया कि यह चुनाव केवल मोरपाल का नहीं है, बल्कि पूरे भाजपा परिवार के कार्यकर्ता इसे लड़ रहे हैं, और मोरपाल की जीत हर कार्यकर्ता की जीत होगी.

मोरपाल सुमन के पास कितनी संपत्ति?

भाजपा के 10वीं पास उम्मीदवार मोरपाल सुमन के पास 45 लाख रुपये की चल और 55 लाख रुपये की अचल संपत्ति है. इसके अलावा उनकी पत्नी के पास कुल 25 लाख 28 हजार रुपये की कुल संपत्ति है. मोरपाल सुमन के पास 1 मोटर साइकिल, एक ट्रैक्टर और एक स्कॉर्पियो कार भी है, जो उन्होंने 12 मई 2025 को ही खरीदी है. इसके अलावा मोरपाल सुमन के पास डेढ़ तोला सोना और उनकी पत्नी के पास 500 ग्राम चांदी के साथ 50 ग्राम सोना भी है. उन पर कुल 17 लाख 50 हजार रुपये के लोन दायित्व हैं.

कांग्रेस की लड़ाई का कंफ्यूजन

पटना. बिहार में कांग्रेस पार्टी किससे लड़ रही है यह बड़ा सवाल है. एक तरफ कांग्रेस की लड़ाई भाजपा और जनता दल यू के गठबंधन यानी एनडीए से है तो दूसरी ओर कांग्रेस की लड़ाई महागठबंधन की सहयोगी पार्टियों राजद और सीपीआई से भी है.

तीसरी लड़ाई कांग्रेस के अपने नेताओं के बीच है. कांग्रेस के बड़े नेता अपने अपने उम्मीदवारों की लड़ाई लड़ रहे हैं. पप्पू यादव को उन उम्मीदवारों की चिंता है, जिनको उनके कहने से टिकट मिली है तो अखिलेश प्रसाद सिंह भी ज्यादा ध्यान उन उम्मीदवारों पर दे रहे हैं, जिनको उनकी सिफारिश पर टिकट मिली है या कांग्रेस अध्यक्ष रहते, जो नेता उनके ज्यादा करीब थे. हालांकि उनका प्रयास ज्यादा से ज्यादा विधायक जिताने का है क्योंकि उसमें उनका निजी और पार्टी का हित दोनों छिपा हुआ है.

कांग्रेस में पैराशूट से लैंड हुए कन्हैया कुमार को किसी हाल में अपनी पुरानी पार्टी यानी सीपीआई को निपटाना है. इसलिए उनका सारा ध्यान बेगूसराय पर है. सोचें, इस जिले में कांग्रेस दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है और दो दिन में प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी दोनों की सभा हो गई.

विशेष | जिधर फेर दिया मुंह ज.उधर बन जाएगी सरकार

'साइलेंट किलर' साबित होंगे जेन-जी!

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए वोटिंग होने वाली है. इन चुनावों में जेन-जी अहम भूमिका निभाने वाली है. जेन-जी यानी वो युवा जिसने मोबाइल स्क्रीन से राजनीति देखी है, पर अब वह ईवीएम का बटन दबाकर उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेगी.

चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बेगूसराय जिले में जेन-जी मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है. सातों विधानसभा क्षेत्रों में, लगभग 25.16 प्रतिशत युवा मतदाता हैं, अर्थात हर चार में से एक मतदाता युवा है. खगड़िया जिले में 24.29 प्रतिशत और मधेपुरा में 24.66 प्रतिशत के साथ जेन-जी मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है. पटना जिले में जेन-जी मतदाताओं की संख्या सबसे कम है, जो 14 विधानसभा क्षेत्रों में मात्र 18.45 प्रतिशत है.

शहरी क्षेत्रों के ये युवा मतदाता राजनीतिक चर्चाओं में अधिक मुखर और डिजिटल रूप से सक्रिय हैं. इसलिए, उनकी कम संख्या के बावजूद, उनकी राय और रुझान निर्णायक साबित होंगे. दरभंगा जिले में 18 से 19 वर्ष की आयु के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक 62,127 है. इस बार, जिले की 10 सीटों के लिए एनडीए और महागठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है. 2020 के चुनावों में, एनडीए ने दरभंगा की 10 में से 9 सीटें जीती थीं, जबकि केवल एक, दरभंगा ग्रामीण, राजद के खाते में गई थी. इस बार, युवा मतदाताओं का रुझान तय करेगा कि यह समीकरण बना रहेगा या बदलेगा.

यहां भी निभाएंगे अहम भूमिका

मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जैसे जिलों में भी युवा मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे. मुजफ्फरपुर की 11 सीटों पर जेन-जी मतदाताओं की औसत हिस्सेदारी 21.15 प्रतिशत है, जबकि समस्तीपुर में यह आंकड़ा लगभग 23.89 प्रतिशत है. दोनों जिलों में बड़ी संख्या में कॉलेज और विश्वविद्यालय हैं, जिससे युवाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ी है. सोशल मीडिया अभियानों और कॉलेज स्तर की बहसों में उनकी सक्रियता साफ़ दिखाई देती है. जेन-जी मतदाता अब पारंपरिक वोट बैंक की तरह नहीं सोचते. वे जाति या धर्म की बजाय रोज़गार, शिक्षा, इंटरनेट कनेक्टिविटी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं. 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में इस बार युवा मतदाताओं की संख्या में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इसका सीधा मतलब है कि हर सीट पर युवा वोटों का एकजुट होना किसी भी उम्मीदवार की जीत या हार तय कर सकता है. इस बार 18 से 19 वर्ष की आयु के लाखों मतदाता पहली बार मतदान करेंगे. बेगूसराय, दरभंगा और मधेपुरा में इनकी संख्या उल्लेखनीय है. चुनाव आयोग ने पहली बार मतदान करने वालों को प्रेरित करने के लिए मेरा पहला वोट - देश के नाम अभियान भी शुरू किया है.